ایسی غیر ذمہ دارانہ حرکتوں کا ثبوت دے رہی ہے۔

آخر میں بھوپال میں جو لوگ مرے ہیں۔ بھوپال میں جو لوگ پیڑت ہیں۔ ان تمام لوگوں کے لیے خراج عقیدت اور ہمدردی کے نذرانہ محبت کے ساتھ اپنی بات ختم کرتا ہوں۔ شکریہ۔

"ختم شد"

DR. NAUNIHAL SINGH (Uttar Pradesh): Madam Vice-Chairman, what has been stated by he hon. Member is out of context. It is a question of contributory negligence on the part of the then Government of the State of Madhya Pradesh and the gas company.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MATI JAYANTHI NATARAJAN): There is just one minute left, I think. Sarlaji, would like to start? Speak for half a minute only because at five o'clock we will takeup Clarifications.

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) : माननीय उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं आपका शुक्रिया अदा करती हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। महोदया, भोपाल गैस त्रासदी हिरोशिमा-नागासाकी के जनसंहार के बाद आधुनिक विश्व की दूसरी ऐसी सब से बड़ी त्रासदी थी। जिसने एक ही झटके में लाखों लोगों की जिंदगी को तबाह कर दिया था। महोदया, भयानक नर-संहार की इन दोनों घटनाओं के पीछे एक ही दानवीय शक्ति काम कर रही थी और उस दानवीय शक्ति का नाम था साम्राज्यवाद और उसकी अर्थ-लिप्सा। माननीय उपाध्यक्ष महोदया, उसी समय हमारे माननीय न्यायमूर्ति श्री कृष्ण अय्यर जी ने इस घटना के कुत्सित पहलुओं को देखते हुए इस घटना के तीन वर्ष बाद यह टिप्पणी की थी कि यह "भोपोशिमा" है। हिरोशिमा-नागासाकी के बाद उन्होंने भोपाल की इस त्रासदी को "भोपोशिमा" की संज्ञा दी थी।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Sarala Ji, you will continue tomorrow. Now, we will take up clarifications on the Statement by the Minister of State in the Ministry of Home Affairs.

CLARIFICATIONS ON STATEMENT BY MINISTER REGARDING RECOVERY OF HUGE QUANTITY OF ARMS AND AMMUNITION AT AHMEDABAD

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष महोदया, अहमदाबाद में भारी मात्रा में शस्त्र और गोला-बारूद जब्त होने के संबंध में जो वक्तव्य मंत्री जी ने दिया है, वह अपने आप में हमें बहुत सचेत करने वाला है।

आतंकवादी गतिविधियां अभी तक मात्र दो-तीन सूबों तक सीमित थीं, लेकिन अब यह बढ़कर अन्य सूबों में भी पहुंच गयी हैं और यह उस प्रदेश के संबंध में वक्तव्य है जो महात्मा गांधी का प्रदेश गुजरात प्रदेश है जहां कि आतंकवादियों ने अपनी गतिविधियों का अड्डा बनाया है। मंत्री जी ने जो शस्त्र और विस्फोटक पदार्थ बरामदगी की बात कही है, उसमें उन्होंने जो सूची 23 की संख्या में बतायी है, उसमें कितने विदेशी और कितने देशी शस्त्र और गोला-बारूद हैं, इस बात का उल्लेख नहीं किया गया है। साथ ही लाल सिंह उर्फ मंजीत सिंह की गिरफ्तारी के बाद से इस घटनाक्रम की शुरूआत हुई, यह उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा है। तो उसे जब गिरफ्तार किया गया तो उससे क्या-क्या जानकारियां प्राप्त

hc9

और क्या वह जानकारियां पर्याप्त थीं और यदि पर्याप्त नहीं थीं तो सरकार द्वारा और महत्वपूर्ण सुराख जानने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए, इस बारे में कोई जिक्र नहीं है। साथ ही लाल सिंह के विरुद्ध और कितने पुलिस प्रकरण किन-किन स्थानों पर चल रहे हैं और केन्द्र तथा राज्य सरकार की तरफ से क्या पहल की गयी है, इस बात का भी उल्लेख किया जाना आवश्यक है तथा जो उल्लेख किया गया है कि आतंकवादियों के जो नापाक इरादे हैं उनकी सूचना पाकिस्तान से होना वह सहायता के बारे में आशंकाओं की पुष्टि करती है। तो क्या पाकिस्तानी दूतावास से भारत सरकार ने इस संबंध में रोष व्यक्त किया है और यदि किया तो उसकी क्या प्रतिक्रिया हुई? मेरा अंतिम प्रश्न यह है कि मध्य प्रदेश में पिछले दिनों भिंडरांवाले टॉस्क फोर्स के दो आतंकवादी पकड़े गए और राज्य सरकार न इस बात का उल्लेख किया है कि वह आतंकवादी दूसरे प्रदेशों में विस्फोटक पदार्थ भेजा करते थे और इस बात की जानकारी है कि क्या राज्य सरकार ने दूसरे प्रदेशों में भी अपने दल भेजे है? क्या इन्हीं आतंकवादियों ते जोकि मध्य प्रदेश में पकड़े गए है गुजरात में भी विस्फोटक पदार्थ गोला-बारूद तथा अस्त्र भेजे है? इस बात की जानकारी मंत्री महोदय ने ली है और जो पंजाब के अलावा देश के अन्य प्रांतों में आतंकवादी गतिविधियां बढ़ रही हैं इसमें मध्य प्रदेश गुजरात, उत्तर प्रदेश शामिल है, उस पर अंकुश लगाने के लिए केन्द्र सरकार क्या पहल करने जा रही है? माननीय मंत्री जी यह बताने की कृपा करें।

श्री अनन्तराय देदशंकर दवे (गुजरात): उपाध्यक्ष महोदया, मैं माननीय मंत्री महोदय से तीन चार पाइंटेड सवाल पूछूंगा, शायद एकाध मिनट ज्यादा लूं तो मुझे माफ कीजिएगा क्योंकि यह गुजरात का मामला है सेन्सिटिव एरिए अहमदाबाद का मामला है।

महोदया मैंने 2 फरवरी को इसी हाउस में अपने स्पेशल मेंशन के जरिए यह बताया था कि कच्छ से स्मगलिंग हो रही थी और वर्ष 1990 में सिर्फ स्मगलिंग ही नहीं, कई बार घुसपैठ भी हो रही थी और एक भी महीना ऐसा नहीं था, जिसमें कि कोई आदमी पकड़ा न गया हो, वीपन्स पकड़े न गए हों। मैंने इसी हाउस में कहा था और यह भी पूछा था कि आप क्या सरहद को सील करने जा रहे हैं या नहीं? हमारे माननीय गृहमंत्री जी ने वहां विजिट भी की थी। तो मैं यह जानना चाहूंगा कि आपकी विजिट के बाद क्या-क्या कदम कहां उठाए गए?

महोदया, मैंने यह भी कहा था कि एक जनता दल का गुजरात का डायरेक्टर अहमद भट्टी, जिसके संबंध में मैंने चिट्ठी लिखी थी इसलिए पूछ रहा हूं उस हाउस में कि जो जनता दल का गुजरात में हेंडीक्राफ्ट बोर्ड का डायरेक्टर है, वह स्मगलिंग एक्टिविटि में पकड़ा गया था, कस्टम विभाग ने उसको दंड दिया था, लेकिन आज दिन तक कोई रकम वसूल नहीं की गई है? मैंने फाइनेन्स मिनिस्टर को लेटर लिखा था। वह अपनी प्रोपर्टी ट्रांसफर कर रहा है। वह भी इसमें शामिल है, लेकिन पकड़ा नहीं गया है। मैं नाम देकर बता रहा हूं। जैसे आपने 11 आदमी बताए है, उसमें से चार ही आदमियों को आपने पकड़ा है दूसरे आदमी आपने पकड़े ही नहीं।

महोदया मेरा पाइंटेड सवाल यह है कि 16 तारीख को लालसिंह बंबई में पकड़ा गया। पहली बार गुजरात में पुलिस को खबर कौनसी तारीख को मिली बंबई से? यह मेरा पहला सवाल है। दूसरा, मैं यह पूछना चाहता हूं कि हमारे गुजरात के चीफ मिनिस्टर ते 24 तारीख को रात को साढ़े दस बजे प्रेस-कांफ्रेन्स बुलाकर सारी घटना पब्लिक को या प्रेस को बताई और उसमें जो उन्होंने जिस्ट दी हुई है और आपने जो जिस्ट यहां दी हुई है उसमें कोई तालमेल बैठता नहीं है। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि जो गुजरात गवर्नमेंट ने प्रेस में स्टेटमेंट दी

[श्री अनन्तराय देवशंकर दवे]

है, गुजरात चीफ मिनिस्टर ने प्रेस-कांफ्रेंस जो बुलाई थी और जो आपने स्टेटमेंट दी है, उसमें कोई तालमेल जो नहीं बैठता है उसकी क्या वजह है? तीसरी बात, मैं यह जानना चाहता हूं कि जो वीपन्स पकड़े गए हैं, उनकी आज की वेल्यू क्या है? हमारे गुजरात की सरकार ने, वहां के चीफ मिनिस्टर ने प्रेस-कांफ्रेन्स में एक करोड़ बताई है, जबकि दो करोड़ से ज्यादा है। तो वह भी आप क्लेरीफाई करें।

महोदया, इसी के साथ ही चौथी बात मैं यह जानना चाहता हूं, आपने कहा कि ट्रक, मैं जानना चाहता हूं कि उसमें मारूति है, जीप है वह आपने कब्जे में ली या नहीं ली? अगर नहीं ली तो क्यों नहीं ली? पांचवीं बात मैं यह जानना चाहता हूं कि कितने घरों में से यह हथियार मिले? यह आपने अपने स्टेटमेंट में नहीं बताया है। तो कितने घरों में से यह हथियार मिले? और, इकबाल मोहम्मद नाम का जो आदमी है, उनके घर पर अभी तक आपने कब्जा किया या नहीं?

तो यह सभी बातें डिटेल्स में आप हमें बता दीजिए।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष महोदया, जैसा कि वक्तव्य में स्वीकार किया गया है, यह बहुत ही चिंता का विषय है और हमारे देश के लिए बहुत ही खतरनाक स्थिति है क्योंकि हमारे देश में रहने वाले कुछ लोग जो आतंकवादी गतिविधियों में लगे हुए हैं या गैर-राष्ट्रवादी गतिविधियों में लगे हुए हैं, उनको पाकिस्तान सरकार का पूरा सहयोग प्राप्त है। अहमदाबाद, गुजरात में जो विस्फोटक पदार्थ बरामद हुए या आर्म्स बरामद हुए, इस घटना को लेकर भी भारत सरकार द्वारा पाकिस्तान सरकार को बहुत ही कड़ा अपना रुख बताना चाहिए।

महोदया, मेरे चार-पांच स्पष्टीकरण हैं, जो मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा एक तो अभी दवे साहब ने पूछा ही है कि कितने ऐसे मकान हैं और उनकी एक्चुअली लोकेशन क्या है, जहां-जहां से यह सारे गैर-कानूनी पदार्थ बरामद हुए? दूसरे, लालसिंह की एंटीसिडेंट के बारे में यदि सरकार को कोई जानकारी हो तो उसको बताने की कृपा करें।

तीसरे, 11 व्यक्तियों के खिलाफ "टाडा" में और भारतीय दंड विधान, आई०पी०सी० के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। इसमें लाल सिंह है और 11 अन्य लोग हैं। 4 लोगों के बारे में तो आपने नाम बताए हैं लेकिन बाकी के जो लोग हैं, उनके नाम के बारे में कोई जानकारी है या इनका कोई एंटीसिडेंटस है, यह भी बताने की कृपा करें? और अंत में, "टाडा" के अतिरिक्त, आई०पी०सी० या भारतीय दंड विधान की कौन-कौन सी धाराएं है जिनके अंतर्गत रपट लिखाई गई है और उनका विवरण क्या है? यही मैं पूछना चाहता हूं।

श्री एस० एस० अहलूवालिया (बिहार): महोदया, मंत्री महोदय ने अहमदाबाद (गुजरात) में बड़ी मात्रा में शस्त्र और गोला बारूद की बरामदगी के बारे में जो बयान दिया है, उसको देखकर काफी प्रश्न उठते हैं मन में कि इतनी बड़ी मात्रा में अस्त्र-शस्त्र कोई अकेला आदमी नहीं ला सकता। यह तो लगता है कि किसी ट्रक में लादकर सामान लाया गया है और आश्चर्य की बात है कि जो ए०के०-47 का लेटेस्ट वर्शन है--ए०के०-56, वह आया है और यह ए०के०-47 से भी ज्यादा पावरफुल है। ए०के०-47 को भी मैच करने के लिए हमारे पास, हमारी पुलिस के पास या हमारी पैरामिलिट्री फोर्स के पास वीपन नहीं हैं और यह ए०के०-56 तो बहुत ही पावरफुल वीपन है, इसको मैच करने के लिए तो पुलिस विभाग को सोचना पड़ेगा कि कैसे इसको मैच करेंगे और यह काफी भारी संख्या में आए हैं।

महोदया, जो नाम देखने में आए हैं, उनको पढ़कर तो मुझे संदेह लगता है कि यह लाल सिंह जो है, आखिर इसके बारे में भारत सरकार को क्या पता है? इसका जन्म कहां हुआ?

Is he a converted Sikh or is he born Sikh? (*Interruptions*)

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM (Uttar Pradesh): Or is he Lal Khan?

श्री एस० एस० अहलुवालिया : मैं वही बता रहा हूं न, मेरा प्रश्न वही है कि यह कौन है? यह लाल सिंह जन्म से ही सिख है या जन्म किसी और धर्म में हुआ और बाद में सिख धर्म का नाम जोड़ने के लिए इन्होंने सिंह अपने साथ लगा लिया है? यह जानने की जरूरत है। . . . (**व्यवधान**)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश): और कहां का सिटीजन है?

श्री एस० एस० अहलुवालिया : और सिटीजन या नागरिक भी कहां का है? क्योंकि इसके साथ में कनिष्क जहाज का कांड भी जुड़ा हुआ है, उसके बारे में तरह-तरह की बातें सुनने में आईं और उसके साथ कई लोगों को जोड़ा गया, पर यह चार लोगों का नाम आ रहा है--मोहम्मद अनवर, मोहम्मद इस्माइल सैयद, हैदर हुसैन कालू भाई कुरेशी और मुशाइम अब्दुल समीर शेख--ये जो बार्डर एरिया के लोग हैं गुजरात के, वहां पर स्मगलिंग आम चलती है, पर इसका मतलब है कि या तो वहां की जो हमारी बी०एस०एफ० है, उनसे कोई कमजोरी हो रही है, कोई खामी हो रही है, जिसके कारण इतनी भारी मात्रा में अस्त्र-शस्त्र आ रहे हैं। इसके बारे में कोई उनके बार्डर एरिया में, बी०एस०एफ० के या आर्मी के, जो इंटेलिजेंस सर्विसिज है, वह क्या इस तरह की इन्फारमेशन कलेक्ट करती हैं या नहीं करती? हमको जो आम सुनने में आता है कि साहब हमारे रिवेन्यू इंटेलिजेंस का आफिसर हांगकांग में बैठा या सिंगापुर में बैठा हुआ है और कभी-कभी हम सुबह अखबार में पढ़ते हैं कि इतने करोड़ रुपए का सोना पकड़ा गया। तो खबर आती है कि साहब, हांगकांग की एम्बैसी में जो हमारा रिवेन्यू इंटेलिजेंस का अफसर बैठा है उसने हमें बताया कि टायलेट में उसने सोना छिपाया है। तो ऐसी खबर क्यों नहीं आती कि यह अस्त्र शस्त्र छिपकर ऊंट पर लदकर आ रहे हैं या घोड़े पर लदकर आ रहे हैं या ट्रकों पर लदकर आ रहे हैं और इतनी भारी मात्रा में आ रहे हैं? इसकी खबर रिवेन्यू इंटेलिजेंस कभी क्यों नहीं देता? जब कोई आदमी पकड़ा जाता है उसके बाद उसकी मार-पिटाई करके तब आपको पता लगता है। यह जो जखीरे जमा किए गए हैं इससे शहर के शहर बर्बाद किए जा सकते थे। यह जो लेटेस्ट वर्शन है--ए०के० 56 इससे तो शहर के शहर बर्बाद किए जा सकते हैं और एक-एक सैकिंड में कई-कई गोलियां निकलती हैं इसमें से। . . . (**व्यवधान**)

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : अहलुवालिया जी एक मिनट। इबला सेठ नाम का जो आदमी था उसे तो आपकी सरकार ने पकड़ लिया। वह भी फिसरीज़ बोर्ड का डायरेक्टर था जनता दल गुजरात का उसको कस्टम ने पकड़ लिया लेकिन अब तो वह भी कांग्रेस में आ गया है यह अहमद भटटी जो मैं नाम ले रहा हूं।

श्री एस०एस० अहलूवालिया : दवे साहब आप उस चीज को पोलिटिकलाइज़ न करें।

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे :--पोलिटिकलाइज़ नहीं कर रहा हूं। मैंने इसी हाउस में यह मसला उठाया था कि आप इस आदमी को पकड़िए।

श्री संघप्रिय गौतम : वह ठीक कह रहे हैं।

श्री ए० एस० अहलुवालिया : दवे साहब, म पोलिटिकली उसमें नहीं जाना चाहता। मैं तो यह कहता हूं कि देश में आतंक फैलाने के लिए और देश को तोड़ने के लिए कोई भी आदमी या किसी भी पार्टी में बैठकर या इस तरह का व्यापार कर रहा है तो उससे बड़ा देशद्रोही इस देश में न पैदा हुआ है, न होगा। उसको कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिए। परन्तु मेरे कहने का मतलब है कि क्या आपकी इंटेलीजेंस सो रही है ? इंटेलीजेंस को खबर क्यों नहीं लगती ? कम से कम सदन को बताने की कृपा करें कि यह लाल सिंह कौन है ? कई बार अखबारों में आया है कि लाल सिंह मारा गया और फिर लाल सिंह जिन्दा हो गया। लाल सिंह यहां पर इतने-इतने अस्त्र-शस्त्र पैदा कर रहा है। यह लाल सिंह कौन है, कहां पैदा हुआ इसकी नागरिकता क्या है और इसके माता-पिता का क्या नाम है, यह बताने की कृपा करें ? क्योंकि इसके साथ जो साथियों का का नाम आ रहा है यह साफ जाहिर हो रहा है कि एक बहुत बड़ी विदेशी शक्ति इसके साथ जुड़ी हुई है, उसको जरा बताएं।

श्री संघ प्रिय गौतम : भारत सरकार फेल हो रही है पूरी तरह से।

SHRI SHIV PRATAP MISHRA (Uttar Pradesh): Madam, the sinister design of the Pakistan Government in the matter of Gujarat is crystel clear from the statement of the hon. Home Minster. It is a matter of serious concern to the entire nation While we commend the Government for its efforts to detect the sinister design of the terrorists through its intelligence agencies, we cannot help noting that we are really lacking in our intelligence and security network That is why such activities are spreading to the interior regions of our country. I would like to know from the hon. Minister whether our intelligence and security network has been fully altered to detect and arrest such incidents well in advance in other parts of the country in general and in Terai region of Uttar Pradesh in particular, which area is proving to be a real paradise for the terrorists, who are openly operating in that region. This area was quite peaceful but in the recent past, it has witnessed an uncontrolled spurt in terrorist activities. Unfortunately, the State Government, instead of concentrating on flushing the terrorists out from that region, is engaged in the construction of a temple at Ayodhya. This is the reason why the Central Government and its intelligence agencies are required to be extremely vigilant in this area. I would like to know from the Minister as to what appropriate and adequate steps have been taken by the Government in this direction.

श्रीमती सरला माहेश्वरी : (पश्चिमी बंगाल) : माननीय उपसभाध्यक्षा महोदया, माननीय गृह मंत्री का बयान इस बात का जीवंत प्रमाण है कि आतंकवादियों की गतिविधियों का दायरा बढ़ता जा रहा है। महोदया, आज के ही अखबार में हम सबने देखा है कि जम्मू से 30 किलोमीटर दूर विजयपुर में दो पाकिस्तानी नागरिकों को पकड़ा गया, जो कि वहां रेल पटरियों पर बम लगाने की कोशिश कर रहे थे। इसके साथ ही हम सब यह भी जानते हैं कि पिछले दो दिनों से जम्मू कश्मीर नियंत्रण रेखा पर बार-बार बमबारी चल रही है। भारत सरकार ने इस्लामाबाद को यह चेतावनी दी है कि वह इस बमबारी को बंद करे। मैं यह जानना चाहती हूं कि एक तरफ तो आतंकवादियों की गतिविधियां का दायरा बढ़ता जा रहा है, पाकिस्तान की उनको सह भी बढ़ती जा रही है और दूसरी ओर हमारी भारत सरकार इस बात की घोषणाएं कर रही है कि जम्मू कश्मीर में चुनाव करवायें जायेंगे। मैं यह जानना चाहती हूं कि क्या आतंकवादियों की इन बढ़ी हुई गतिविधियों तथा सरकार की इन घोषणाओं का आपस में कोई सम्बन्ध है ?

मेरा दूसरा सवाल यह है कि 24 जुलाई को अहमदाबाद के जिन मकानों

में छापा मारकर व्यापक अस्त्र-शस्त्र और विस्फोटक सामग्री पकडी गई है, इस सामग्री का इस्तेमाल कहां के लिए होता था ? यह जो सामग्री प्राप्त हुई है, इसे आतंकवादी कहां से लाते थे ? क्या पाकिस्तानी सरकार से उन्हें यह प्रत्यक्ष मिलती थी या पाकिस्तान के किसी व्यापारी से यह अस्त्र-शस्त्र खरीदते रहे थे ?

मेरा तीसरा सवाल है कि इस घटना में जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, वह कहां के नागरिक हैं और इन आतंकवादियों का किन-किन आतंकवादियों से सम्बन्ध रहा है ? इसके साथ ही मैं मंत्री महोदय से यह भी जानना चाहता हूं कि इस शस्त्रागार के मिलने के बाद क्या आपने पाकिस्तानी सरकार को या पाकिस्तानी दूतावास को इसके बारे में खबरदार किया है ?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MATI JAYANTHI NATARAJAN): Shri Anant Ram Jaiswal, not here. Shri V.M. Patel.

SHRI VITHALBHAI M. PATEL (Gujarat): Madam, first of all I would like to congratulate the police of Maharashtra and of Gujarat because they are keeping a constant vigil to nab the terrorists. In Gujarat this is the second incident in which huge quantities of arms have been detected by the police. Some time back, in Baroda city there was a police-terrorist encounter which continued for three days and the police succeeded in either killing or arresting the terrorists. An in these incidents the police also succeeded in detecting huge quantities of arms. The terrorists activities are not confined to any particular community, caste or creed. Terrorists can be from any community. Because vigilance has been increased on the Punjab and Kashmir borders they have shifted to other borders like Gujarat and Rajasthan. And Gujarat has such borders like Kutch and Banaskantha where it is difficult to identify them. Their relatives are living in Pakistan. Earlier, there were no such activities going on. A little bit of smuggling was going on. That was also in Kutch not in Banaskantha. Now, the Government of India has to keep a greater vigil on the Kutch and Banaskantha borders of Gujarat.

My friend, Mr. Dave, has referred to something about some people. This question should not be politicised. When the Lok Sabha elections were held, I was in Kutch. I know your party tried its level best to name these people even though one was in jail. One gentleman was in jail having been arrested by the Gujarat police. This should not be politicised. They have nothing to do with this incident. This incident is absolutely a separate incident and it has no connection with ..... (*Interruption*) ...

SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE: Mr. Patel, he was not arrested by the Gujarat police. He was arrested by the Central Customs...

SHRI VITHALBHAI M. PATEL: I told you that he was arrested, he was released also. But he has nothing to do with this incident... (*Interruption*).. And the Chief Minister has also not misled.. (*Interruption*).. You referred to some newspapers report about the weapons detected by the Gujarat police. Some newspapers published full details, some newspapers did not even publish it. It does not mean that the Gujarat C.M. has given a wrong information to the Government of India. Whatever quantities of arms were detected by the Gujarat Government... (*Interruptions*)...

SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE: One minute. It has come our in our newspapers that the Gujarat police was not willing to disclose all these things because they wanted to hem... (*Interruptions*).

SHRI VITHALBHAI M. PATEL: Because the investigation was going on and they wanted to arrest the people connected with it, they did not want to immediately announce is to the press, but nothing was hidden

[Shri Vithalbhai M. Patel]

by the Gujarat Chief Minister. Whatever information he has gathered, he has given it to the press. Some newspapers have published full details, some have not.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Please seek your clarifications.

SHRI VITHALBHAI M. PATEL: I want to know whether the Central Government is going to increase the vigilance on the Gujarat and Rajasthan borders. These are all made by Pakistan Government. Without Pakistan Government's assistance such type of weapons cannot be shifted to other countries. So, the Government will have to be more vigilant. After negotiations, if the Pakistan Government doesn't act properly we must be prepared for adequate counter-measures. Thank you.

SHRI W. KULABIDHU SINGH (Manipur): Madam Vice-Chairman, I will confine myself to three or four aspects of the matter. Now, some houses used by the terrorists were identified but the number of terrorists were not identified. How did these extremists, Lal Singh and others, acquire those houses? Was it by lease or purchase? I would like to know whether those sellers or vendors were *bona fide* sellers for value or whether they were also participants. This is the first clarification. I want to seek. If the sellers or lessors were identified, was there any conspiracy between those sellers or lessors or vendors and these extremists, Lal Singh and other? I would like to know whether there was any conspiracy or not. The next clarification I would like to seek is that such seizures take place very frequently in Punjab and Jammu and Kashmir, and even in Gujarat and Bombay. These arms are coming from Pakistan. That has also been identified. My question is: If these are coming from Pakistan how do these weapons reach Ahmedabad? I would like to know the *modus operandi* of the extremists and through which route these arms are comig in or whether these arms are coming through another State of India or direct from Pakistan. The next clarification I would like to seek, as some of my friends were, sought, is the seizuers were made from State to State. I would like to know whether through diplomatic efforts Pakistan has been properly warned and what the reply of Pakistan Government is to our diplomatic efforts and what the result is.

SHRI N. GIRI PRASAD (Andhra Pradesh): Madam Vice-Chairman, it is really shocking to know that such a huge quantity of arms were seized in Gujarat. So far, we are under the impression that in Gujarat barring some communal incidents communally it has become a sensitive State—terrorism is a bit away. We know Pakistan has been helping the terrorist forces in Punjab and Jammu and Kashmir. Even our North-Eastern States are very sensitive. Some insurgent activities are going on there. Recently I read in many newspapers that Terai region of Uttar Pradesh has also become a den of terrorist activities. From this document we hear that large quantities of arms have been smuggled into Gujarat. Perhaps, Pakistan Government must have taken a conscious decision to destabilise our country and this anti-Indian attitude of the Pakistan Government has not been taken up in a big way by the Government. Last time also I told our hon. Home Minister that our diplomatic efforts to take offensive against Pakistan's actiivties and interference in our internal affairs have been very weak. Perhaps, Pakistan is emboldened by this to expand these activities of supporting terrorists and sending arms to other parts of the country to destabilise every State. If they can send arms

to Gujarat, they can send arms to other States also.

So, I am afraid, after some time the Home Minister may come here again and make a statement that a similar quantity of arms was seized in some other State. If this kind of activity goes on if the Home Minister always makes some statements here, it will not give confidence to our people. Unless we have peace in our country we cannot progress. In this connection I want to know from the Home Minister two specific questions. My first question is, what steps is the Government taking to make the intelligence organaisation very strog? They may seize some arms through some information provided by some terrorist who is caught by chance. But what are our intelligence agencies doing? How are the terrorists sending arms? They are sendnig arms by trucks also. How are they allowed by the Government to pass without detection? Whenever they get some clue about these activities they must try to understand the remifications behind these activities.

Now these incidents are taking place. I would like to know whether the Prime Minister has personally intervened to take up the matter with Pakisan and with the international community. I don't know whether it is possible or not to take up such matters with he United Nations, but unless we make political, diplomatic offensive against Pakistan and discourage Pakistan from its interference in our country, we will not be safe. That is why I think that our country has to take up this matter with the SAARC forum. SAARC also is a proper forum. All the countries want to live in peace. Pakistan should also live in peace. Our country must also live in peace. For that there should be mutual cooperation Before achieving mutual cioperation between these two counries, first Pakistan must be prevented from from intefering in our country. I hope the hon. Home Minister will prevail upon the Prime Minister and the External Affairs Ministry to take up this matter with the international community, internaitonal forum, through diplomatic talks.

श्री मूल चन्द मीणा (राजस्थान) : उपसभाध्यक्ष महोदया, गृह मंत्री जी ने अहमदाबाद में बड़ी मात्रा में जब्त किये गये शस्त्रों और विस्फोटक पदार्थ के बारे में सदन को सूचित किया था । मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि जब लाल सिंह को 16 तारीख को गिरफ्तार करते हैं और 24 तारीख को एक छापा डालते हैं तो यह जो 8 दिन का गैप रहा है इसके क्या कारण हैं ? दूसरा मैं यह पूछना चाहता हूं कि केंद्रीय और राज्यों की जो इंटेलिजेंसियां हैं क्या कर रही हैं इससे यह साबित होता है कि इस देश के अंदर आतंकवादी गतिविधियां केवल पंजाब के अंदर थीं जैसा दस साल पहले सुना करते थे, वह धीरे-धीरे बढ़कर कश्मीर के अंदर गई, राजस्थान में गई, गुजरात में गई, महाराष्ट्र में गई, मध्य प्रदेश में गई और यू०पी० में गई । क्या आपकी इंटेलिजेंसियां इतनी कमजोर है कि उसको किसी बात का पता नहीं लगता ? यदि ऐसा है है तो उसको बदल कर दूसरी इंटेलिजेंसियां को रखिए । उसको अच्छी तरह से प्रशिक्षण देकर अच्छी इंटेलिजेंट बनवाइये । पाकिस्तान का इरादा हिन्दुस्तान की अशांत घोषित रखने का है, आप ऐसी गतिविधियां को रोकने के लिए पाकिस्तान को कह नहीं सकते । बार-बार कहते हैं कि बात हुई है पाकिस्तान से ? कोई आतंकवादी गतिविधियां पाकिस्तान से नहीं होगी तो मैं एक बात कहना चाहता हूं कि जैसी हमारे गांव में कहावत है— जूतों का भूत बातों से नहीं मानता है? तो क्यों नहीं आप ऐसा कदम पाकस्तान के विरुद्ध उठाते ? मैं यह पूछना चाहता हूं मंत्री जी से कि आपके थानों में एक आतंकवादी सैल होता है . . . ।

मैं यह जानना चाहता हूं कि आतंकवादी सैल क्या कर रहे हैं ? इतना बड़ा जखीरा अहमदाबाद के अंदर आ गया ।

[श्री मूल चन्द मीणा]

वादी सैल के ऊपर कितना राज्य सरकार खर्च करती है और कितना केंद्रीय सरकार खर्च करती है ? इसके साथ ही मैं यह भी जानना चाहता हूं कि इन सैलों को और मजबूत करने के लिए क्या कोई विशेष योजना है ?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Now, the Minister.... (*Interruptions*) ....

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Madm, I have just one point to make ... (*Interruptions*).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): No. I cannot permit all the Congress Members. We have to take up another statement... (*Interruptions*) ...

SHRI V. NARAYANASAMY: I will just take half a minute. Madam, thanks to the Government of India and also our Defence forces for having sealed the border area of Punjab and Rajasthan. The terrorists have made it a point to come through Gujarat's Kutch area. It is a marshy land and they think that there will not be much of police force and so they can come in. In spite of documentary evidence all evidences are being shown to the Pakistan Government by the Government of India in regard to their involvement in the internal affairs of our country and encouraging terrorism—the Pakistan Government is not yielding and they are denying it. This is a fact. They have been encouraging terrorism in India. As the hon. Minister has answered several questions in this House, I would like to know whether the Government of India will issue sanctions against the Pakistan Government for completely working against India's interest and sabotaging India's interest. I would like to know what the Government of know what the Govrenment of Isdia will do.

SHRI CHHOTUBHAI PATEL (Gujarat): Madam... (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): I had called your name, but you were not here.

SHRI CHHOTUBHAI PATEL: Madam, there was a meeting in the Transport Bhavan. I will take only one minute.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): He is from Gujarat, let him speak.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): You should be very specific.

श्री छोटू भाई पटेल : उपसभाध्यक्ष महोदया, टेरोरिस्ट मानते हैं कि गुजरात स्टेट ऐसा है कि जहां पर वे अपनी गतिविधियों को बढा सकते हैं और इसलिए वे गुजरात में अपनी गतिविधियों को डेवलप कर रहे हैं । इसलिए मैं यह जानना चाहता हूं कि मिनिस्टर साहब को यह मालूम है या नहीं, उनके पास ऐसी इन्फारमेशन है या नहीं है कि गुजरात में यह डेवलप हो रहा है ? दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि जैसे पंजाब और पाकिस्तान के बीच में जो बार्डर है वह सील कर दिया गया है, क्या वैसे ही बनासकांठा और कच्छ के बार्डर पर कोई फेंसिंग बनाया जा रहा है या नहीं बनाया जा रहा है ? लास्ट में मैं यह पूछना चाहता हूं कि जो मैन कल्प्रिट अहमदाबाद में पकड़े गए हैं उनमें अहदाबाद के कितने कल्प्रिट सम्मिलित हैं ?

SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa): The other day the hon. Minister made a statement about Jammu and Kashmir. The quary to the hon. Miinster is whether they

have any system of giving rewards to the civilians and the police when they catch such arms because this is done inconnivance with the State police. I want to know from the hon. Minister what the Defence Intelligence, the RAW and the IB were doing. I do not think this should be treated as a State matter. It is a Union matter. Next time I think the Defence. Minister should make a statement not the Home Minister.

SHRI M. M. JACOB: Madam I was listening to the questions posed by the Members. Several questions were asked for clarification and I am thankful to all the Members for their deep sense of anxiety and keenness exhibited on this important question. Mr. Ahluwalia asked a very pertinent question. He is not here now. He asked, "Who is this Lal Singh or Manjit Singh Lal Singh alias Manjit Singh? Is he an India Where does he come from? Is he a Sikh?" All these question he asked. But I am promoted to go into the background of the person as revealed from the sources after our arresting him. He was born in Punjab in the year 1960. He belongs to a district called Kapurthala. He left India in 1978 with a regular passport. We understand that he was a sailor in a ship owned by a foreign company (*Interruptions*). These are all under investigations. I have already mentioned in my statement that this has been referred to the CBI and both the State Governments of Gujarat and Maharashtra are taking initiatives to issue notifications permitting the CBI to go into it because of the romification ... (*Interruptions*)

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: To which country was he issued the passport?

SHRI M. M. JACOB: The Indian passport means to go to any foreign country as an Indian citizen. Why the CBI is investigating into this is also an important matter. ... (*Interruptions*)

SHRI S. S. AHLUWALIA: That means he was holding an Indian passport.

SHRI M. M. JACOB: It is better that you don't interfere. Other wise, you may mis many of the other points. These are the matters which are under investigation. I will not go beyond that ... (*Interruptions*)

SHRI S. S. AHLUWALIA: The question definitely arises.

SHRI M. M. JACOB: Even after a full reply, questions can arise.... (*Interruptions*)

SHRI S. S. AHLUWALIA: Sir, Why was he not nabbed at the time when he came to India?

SHRI M. M. JACOB: That is a differet question.

SHRI S. S. AHLUWALIA: If he was travelling on an India npassport

SHRI M. M. JACOB: I know the answer but I am not answering it.. (*Interruptions*) It will be disclose as far as it is possible.

SHRI S. S. AHLUWALIA: Is it an official secret?

SHRI M. M. JACOB: He left Inida as I said, in 1978, as we understand. And after his sojourn in so-called employment, our information is that he entered the United states in 1984 and he worked there in various capacities in some *ad hoc* jobs. And he joined a militant group. The relevant information for me in this connection is that he is reported to be a person who was trained in Frank Cambus Alabama School of Frank Cambus, school, where the terroris tsare being trained. Even earlier, the name of this school was mentioned in the very same House,

[Shri M. M. Jacob]

in connection with some other matter. And he is wanted in several cases in the United States. It is also reported, from some information, that he is one of those who attempted on the life of Mr. Bhajan Lal, the present Chief Minister of Haryana. The FBI was looking for him. Then he escaped from there to Canada. He is also suspected to be one of those persons who masterminded the Kanishka incident. At least Mr. Vithalbhai Patel was so nice congratulating the police in this connection. It is the intelligence of our Government who traced him out and gave the information to the Bombay police. And the Bombay police promptly nabbed him when he get down at the Dadar station. When he was entering into a taxi, the police surrounded him with all arrangements and nabbed him. He also had cyanide with him. May be he didn5t have the time to consume it. As for our understanding, he entered Pakistan in 1988. Til very recently, till the end of 1991 he was believed to be in Pakistan and he entered India through clandestine ways. Now I come to the next question asked by so many Members here. The question was How can he come to India like this when our borders are sealed and there is vigil? It is a fact that we have vigil. For about six months when we tightened the Punjab border very strictly and even the Kashmor border to a certain extent, we found the emphasis shifted for the militants to come to India through Rajasthan-Jaisalmer. Mr. Narayanasamy was mentioning about it. Immediately the Rajasthan Government selected certain border districts for issuing identity cards and also fencing operations and surveillance arrangements by the Border Security Forces were undertaken. So, the emphasis was thus shifted to Kutch. In Gujarat's Kutch border, the land border with Pakistan in Surat is 510 kilometres including the 200 kilometres of creeks. In these creeks, they used boats to enter into this area which at the moment is not fully covered by any method so far. But recently in order to prevent this border-crossing through Kutch in Gujarat, where there is a long coastal line also where the sea is not deep; where the Coast Guard may not be able to nab them because the sea is not deep on the border, we have to reply on some scientific boating arrangement. The Government of India is actively considering now and has also progressed to a great extent, that the Border Security Force will have to be provided with a water section to combat such a situation in the water by providing necessary, well-equipped boats which can pass through the creeks and I think the Gujarat Government also had proposed something like this and we are actively discussing with the Government of Gujarat about the various modalities of tightening up this Kutch border.

Now, Madam, the Pakistani Intelligence must have successfully used him and he is supposed to be the coordinator of all the funds coming from overseas for the militants in India to be used by the Kalistani Liberation Force in India. We are able to get all these details besides certain other details which I am not at the monent in a position to reveal because the information is yet to flow in and the investigations are going on.

Now about the other question asked by our friends. Mr. Dave asked about this Kutch border and I have answered it Mr. Satya Prakash Malaviya asked about the location of the houses, to whom the houses belonged and all that. One house is located in the walled city and the other is located slightly away.

According to our information, what this man, this Manjit Singh did was, he assumed a name called Moham-

med Iqbar Ahmed and stayed in Aligarh and later on he moved in another Muslim identity to this area and purchased house in the name of Iqbal Salim. So you can see the convenience of shifting names from one to another. So, he wanted to make a pretence. When he wanted to acquire a house in a Muslim area, the name of Iqbal Salim must have been used and he got a house at Rs. 50,000/-. Another house was rented out and rented out in another name of one Mr. Agarwal. That is in another locality where an Agarwal may not be suspected.

So, weapons were brought out and the hide-outs were also located. Another question was asked about the delay—sixteenth was the date of arrest and twenty-fourth was the date of unearthing the hideouts. Naturally, all these details will have to be collected to find out the sequence of events and get the story. These days, as you are aware, these are not unusual thing. But it is difficult to find out all these things. Now, explosive specialists have been deputed to examine various kinds of explosives. I have mentioned some details about explosives. Now these experts are there and they are analysing them.

Then, the Rajasthan Police also is assisting us in the investigation because some of the smuggled goods came through the Rajasthan border. So, the Rajasthan Police is also assisting us. With regard to the CBI investigation, as I mentioend earlier, the Maharashtra and the Gujarat Governments are very soon issuing notifications authorising the CBI to investigate this in a detailed manner.

Madam, there are many other questioss aksed about the involvement of Pakistan an what not. It is very clear in my statement and I have mentioned that. I do not wont to mention all the names and all the details because most of the questions centred on this. It was also asked whether we could ask the UN to help us or whether the UN could be pressed into this. One thing can be made very clear. For preventing or for fighting terrorism or terrorist menace. India will not hesitate to go to any country whatsoever, who is prepared to cooperate with us, to establish a common front to fight terrorism. That is why the Home Minister had been to the U.K. earlier and he had discussions there. In the same way, we are prepared to negotiate with any State, with any country, to counter terrorism and even to have a common front and a common strategy for this purpose.

Well, I do not think that at this stage I am in a position to give more details about this. I am thankful to all the honourable Members.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: I only want to have one clarification. You have said in your statement that FIR has been lodged against eleven persons. But you have named only five and not mentioned the names of the other six persons. Naturally when an FIR is lodged, all the names must have been given.

SHRI M. M. JACOB: I have not got all the information from the State. TADA and other Acts are used for making cases against them.

SHRI ANATRAY DEVSHANKER DAVE: I would like to know whether the Government is going to shift the headquarters of the Coast Guard from Saurashtra to Kutch to prevent such activities.

SHRI M. M. JACOB: We will examine it. I am not in a position to answer that because Coast Guard is under the Defence Ministry and so, it is not easy for me to say anything on that right now.

श्री मूलचन्द मीणा : ग्रांतकवादी से राजस्थान के सब खानों के अन्दर हैं। उसमें इतना पैसा खर्च होता है, उसका क्या करते हैं।